



विभाग की सेवाएं उपलब्ध रहेंगी। यह क्लीनिक हर महीने के पहले और तीसरे गुरुवार को दोपहर 2 बजे से शाम 4 बजे तक चलेगा। व्यापक नैदानिक देखभाल प्रदान करने के लिए सभी शामिल विभाग मिल जुल कर आवश्यकतानुसार कार्य करेंगे। क्लीनिक का उद्घाटन कर रहे हुए कार्यपालक निदेशक प्रो. अजय सिंह ने कहा कि यह मनोचिकित्सा, एंडोक्रिनोलॉजी, यूरोलॉजी और बर्नस और प्लास्टिक सर्जरी विभागों द्वारा एक अनूठी पहल है। यह क्लीनिक ट्रांसजेंडर आबादी और उनके परिवारों को उनकी देखभाल में शामिल संवेदनशीलताओं को ध्यान में रखते हुए विशेष तरीके से व्यापक सेवाएं प्रदान करेगा।

भोपाल। मप्र जनजातीय संग्रहालय द्वारा प्रदेश के जनजातीय चित्रकारों को चित्र प्रदर्शनी और चित्रों की बिक्री के लिये सार्थक मंच उपलब्ध कराने की दृष्टि से प्रतिमाह लिखन्दरा प्रदर्शनी दीर्घा में एक जनजातीय चित्रकार की प्रदर्शनी सह विक्रय का संयोजन शलाका नाम से किया जाता है। इसी क्रम में 3 फरवरी, 2024 से गोंड समुदाय के चित्रकार श्री सतुं तेकाम के चित्रों की प्रदर्शनी सह-विक्रय का संयोजन किया जा रहा है। 46वीं शलाका चित्र प्रदर्शनी मंगलवार से रविवार तक रहेगी।

इस मौके पर मशहूर आर्किटेक्ट डॉ. निमल पटेल ने आर्किटेक्चर के स्टूडेंट्स से चर्चा की। इस दौरान उन्होंने प्रेजेंटेशन के जरिए बताया कि कैसे उन्होंने काशी विश्वनाथ कोरिडोर का प्रपोजल बनाया और इम्प्लीमेंट किया गया। जो आज धार्मिक के साथ देश का सबसे बड़ा

हूरिटर डेस्टिनेशन में से एक है। प्रोजेक्शन में उन्होंने आगे बताया कि कैसे एक प्लान बनाने के लिए 30 से 40 ड्राफ्ट तैयार करने होते हैं, तब जाकर एक फाइनल प्रोजेक्ट तैयार होता है। कार्यक्रम में आईआईए मप्र चैंप्टर की चेयरपर्सन विभा श्रीवास्तव, भोपाल सेंटर के चेयरपर्सन अक्षय सेलुकर, आईआईए समिति के सदस्यों के साथ एसपी और मैनिंग के आर्किटेक्ट ब्रांच के स्टूडेंट्स ने भागदरि दिखाई।

भाषा होने के कारण हिन्दी भाषा को राष्ट्रभाषा नहीं बनाया जा सका पर हिन्दी भाषा की सहजता ने हिन्दी को पूरे भारत देश के संपर्क भाषा के रूप में स्थापित कर दिया है। उन्होने हिन्दी फिल्म, हिन्दी में विज्ञापन, व्यापार वाद उपभोक्तावाद द्वारा हिन्दी के विकास में योगदान के बारे में बातया और कहा कि पूरे भारत देश में बोले जाने वाली बोलियों के कारण ही हिन्दी एक ताकतवर भाषा बन कर संपर्क भाषा के रूप में लोकप्रिय हुई है। विदेशी भाषा की जंजीर हम कब तक अपने गले बाधते रहेंगे हमें अपने बच्चों की नींव में भी साहित्य को डालना चाहिए। अध्यक्षता कर रहे संग्रहालय के निदेशक प्रो. अमिताभ पांडे ने कहा कि भाषा को किसी बैसाखी की जरूरत नहीं होती जिसकी भाषा मजबूत है उसकी संस्कृति मजबूत। उन्होंने आगे कहा कि भाषा पर निरंतर संवाद

स्थापित होते रहने चाहिये। इस अवसर पर संग्रहालय के राजभाषा पत्रिका-आयाम का विमोचन भी किया गया उद्घाटन सत्र के समापन पर धन्यवाद सीमा खितौली हिन्दी अनुवादक के द्वारा ज्ञापित किया गया। प्रथम सत्र में राजेश जोशी द्वारा हिन्दी कविता में आदिवासी विमर्श पर व्याख्यान प्रस्तुत किया गया। इस अवसर पर स्रोताओं के आग्रह पर उन्होंने अपनी कविता का भी पाठन किया। तदुपरांत द्वितीय सत्र में मध्य प्रदेश साहित्य परिषद के निदेशक डॉ. विकास दवे ने राजभाषा का प्रयोग एक भावनात्मक पहलू पर विषय पर व्याख्यान देते हुए कहा कि जिस प्रकार मां के स्नेह हेतु किसी नियम अधिनियम की जरूरत नहीं होती उसी प्रकार हम अपनी मातृभाषा में कार्य करने को नियमों न बाँध भावनात्मक रूप से उसमें जुड़े।

स्थापित होते रहने चाहिये। इस अवसर पर संग्रहालय के राजभाषा पत्रिका-आयाम कविमोचन भी किया गया उद्घाटन सत्र के समापन पर धन्यवाद सीमा खितौली हिंदी अनुवादक के द्वारा ज्ञापित किया गया। प्रथम सत्र में राजेश जोशी द्वारा हिंदी कविता में आदिवासी विमर्श पर व्याख्यान प्रस्तुत किया गया। इस अवसर पर स्रोताओं के आग्रह पर उन्होंने अपनी कविता का भी पाठन किया। तदुपरांत द्वितीय सत्र में मध्य प्रदेश साहित्य परिषद के निदेशक डॉ. विनायक दवे ने राजभाषा का प्रयोग एक भावनात्मक पहलू पर विषय पर व्याख्यान देते हुए कहा कि जिस प्रकार मां के स्नेह हेतु किसी नियम अर्धनियम की जरूरत नहीं होती उसी प्रकार हम अपनी मातृभाषा में कार्य करने को नियमों न बौध भावनात्मक रूप से उसमें जुड़े।

भोपाल। मानस भवन में मानस भवन के कीर्तिपुरुष पंडित रामाकांत दुबे स्मृति समारोह की पंच दिवसीय प्रवचन श्रृंखला के प्रथम दिवस श्रीराम कथा में विषय 'रामकाज कीन्हें बिनु मोहि कहाँ विश्राम ।।' दोहे पर केन्द्रित 11वीं भक्तिप्रभाजी ने कहा कि हमारे काम-काज को रामकाज की भावना से करना चाहिए। भगवान श्रीराम का धील, संयम, धैर्य, कृपा प्रकृति प्रेम तथा प्रजा के प्रति जो व्यवहार आचरण मानस में दिखाई देता है वह आज भी व्यक्ति स्तर से लेकर समाज और वैश्विक संदर्भ में अनुकरणीय है। श्री हनुमानजी इसी रामकाज को करने के लिये न कवल त्रेतायुग में बल्कि वर्तमान में भी हम सबके प्रेरणा स्रोत है इसलिए हमारे यहां हनुमानजी के मंदिर जगह-जगह स्थापित है। आपने कहा कि राम काज का व्यापक अर्थ है जिसमें संपूर्ण मानवता का हित निहित है। पर इसके लिए हमें श्रीराम के चरित्र को अपने आचरण में उतारने की आवश्यकता है। रघुनंदन शर्मा कार्याध्यक्ष ने कहा कि रामकाज के लिए सतत साधना की आवश्यकता है। मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व संस्कृति मंत्री सुश्री उषा ठाकुर ने कहा कि युवा पीढ़ी को सत्संग के माध्यम से सुशिक्षित करने की आवश्यकता है। श्रीराम की कथा पुण्य कथा है। इसमें न केवल मनुष्य, पशु-पक्षी, वानर, प्रकृति सबके प्रति उनकी करुणा कथा में दिखती है।

भोपाल। लोकोपायलट्स रेलवे के मुख्य स्तंभ हैं, जोकि देश को जोड़ने वाली लाइफलाइन को चलाने में मुख्य भूमिका निभाते हैं। गुरुवार को डॉ. अजय डोगरा मुख्य चिकित्सा अधीक्षक भोपाल के मार्गदर्शन में डॉ. पंकज माहेश्वरी वरिष्ठ मंडल चिकित्सा अधिकारी द्वारा एकिकृत लॉबी में स्वास्थ्य संबंधित संगोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसमें लोको पायलटों को स्वास्थ्य के संबंध में जागरूक किया एवं लोको पायलटों को तनावमुक्त जीवनशैली अपनाने के उपायों को बताते हुए स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के निदान पर चर्चा की गई। लोको पायलटों को प्रश्न और तनाव रहित रहने के लिये प्रेरित किया गया। ड्यूटी के दौरान आवश्यकता पड़ने पर कौन सी दवाईयां लेना है एवं प्रतिबंधित दवाईयों के संबंध में जानकारी दी गई।

भोपाल। सर्वेश्वर फूड्स लिमिटेड बुलगाण और डोडा में किसानों से सीधे खखरोट, राजमा, सेब, ब्लैक मोरलस (गुन्ची), काला जीरा और अन्य प्राथमिक हिमालयन डिलाइट्स की खरीद के लिए 2 और सर्वेश्वर फूड्स लिमिटेड (एसएफएल) चौपाल (खरीद विधा केंद्र) की स्थापना करके अपने खरीद चैनल को और मजबूत कर रहा है। इन नए स्थानों के साथ, अब सर्वेश्वर डोडा जम्मू और कश्मीर क्षेत्र में विभिन्न

स्थानी पर 12 सर्वेक्षर फूड्स लिमिटेड (एसएफएल) चौपाल संचालित कर रहा है, जिनमें से 7 जम्मू में और 5 कश्मीर में हैं। इन सभी एसएफएल चौपालों का प्रबंधन प्रशिक्षित स्थानीय किसानों द्वारा किया जा रहा है जो स्थानीय कृषि समुदाय को उनकी स्थानीय भाषा में जानकारी तक पहुंचाने में मदद करते हैं। सर्वेक्षर फूड्स चौपाल-सर्वेक्षर फूड के खरीद सुविधा केंद्र की स्थापना को गढ़ है।

१. सैफ, चंद्रचूड़, प्रीति की 'इसे खेल ना समझो' गीत वाली फिल्म-१,३
 २. 'एक लड़की जिसके' गीत वाली संजय दत्त, जैकी, रवीना की फिल्म-२
 ३. गोविंदा, रवीना टंडन की 'ससुझी थारो लखन' गीत वाली फिल्म-३
 ४. 'हम दिल दे चुके सनम' में सलमान की माँ की भूमिका किसने की थी-३
 ५. ऋषि कपूर, जुही चावला वाली फिल्म 'दरार' की गायिका कौन था-४
 ६. 'रंग दे रंग दे' गीत वाली फिल्म 'तश्क़र' के संगीत निर्देशक कौन हैं-४
 ७. राजकुमार, जितेंद्र की फिल्म 'मेरे हुजूर' की गायिका कौन थी-२
 ८. 'दिल है तुम्हारा' में अर्जुन रामपाल के किरदार का क्या नाम है-२
 ९. राजेंद्रकुमार, बी. सरोजादेवी की 'जाना तुम्हारे प्यार में' गीत वाली फिल्म-४
 १०. 'सूट दे दिल' गीत वाली अनिल, अक्षय, ऐश्वर्या की फिल्म-२
 ११. अक्षयकुमार, कारिश्मा की 'माथे पे चमके इसके' गीत वाली फिल्म-४
 १२. 'सोला किये थे' गीत वाली मिथुन, शिल्पा शिरोडकर की फिल्म-४
 १३. आशिष खान, माधुरी की 'मुझे नॉन आये' गीत वाली फिल्म-२
 १४. नाना पाटेकर, जैकी श्राँफ, कुमार गौरव, जावेद, जुही की फिल्म-२
 १५. राजकपूर, दिलीपकुमार की 'उठायें जा उनके' गीत वाली फिल्म-३
 १६. 'ओ मेरे सनम ओ मेरे सनम' गीत वाली फिल्म-३
 १७. राजेंद्रकुमार, माला सिन्हा की 'जिसके सपने हमें रोज' गीत वाली फिल्म-२
 १८. 'जाने क्या होगा रामा रे' गीत वाली फिल्म-२

शब्दजाल में 'उर्मिला मातोंडकर' अभिनीत दस फिल्मों के नाम हूँदिए, दिए गए नाम उपर से नीचे व तिरछे हो सकते हैं।

मासूम, वमत्कार, दोही, रंगीला, जुदाई, दौड़, अफलातून, कौन, खूबसूरत, सल्ला

शब्दजाल - 7572 का हल

र	क	ल	इ	घ	र	रा	धी	ली	ल	अ
म	श्री	ल	द	अ	ति	ह	इ	त	उ	ने
ता	ल	ने	ल	अ	छ	र	अ	औ	अ	ने
गु	ज	अ	जु	बु	र	र	प	र	वा	ध
रा	फ	दो	ग	ला	प	अ	तू	मी	जि	जि
नै	अ	र	प	ह	अ	के	जा	ता	का	ग
ही	अ	र	उ	या	घ	अ	बु	ल	ला	दं
ने	ता	दा	ई	ह	व	भि	फ	अ	अ	अ
य	या	छ	लि	या	गा	गा	ल	य	के	अ
न	ला	म	लि	प	न	न	शा	रू	ता	ने
ने	जी	व	अ	घा	न	क	शा	त	र	इ

Jagriti.in.com, Bangalore